Tally Erp0.9 F11 Features
Accounting Features of Company

जब हम कम्पनी के मेनू पर एकाउन्टिंग फीचर विकल्प को सिलेक्ट करते हैं या एफ1 दबाते हैं तो हमें निम्नानुसार एकाउन्टिंग फीचर स्क्रीन प्राप्त होगी।

1. General

(a) **Integrate Accounts and Inventory.**

इस विकल्प का बैंलेस शीट और प्रॉफिट एण्ड लॉस अकांउट पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव पडता है। यदि यश पर सेट किया जाता है तो यह इनवेंटरी रिकॉर्डस से स्टॉक/इनवेंट्री बैंलेस के ऑकडे निकालता है तथा बैंलेस शीट से स्टॉक रजिस्टर्स के लिए एक ड्रॉप डाउन प्रदान करता है। यदि नो पर सेट किया जाता है तो यह इनवेंट्री बहियों के ऑकड़ों को उपेक्षित कर देता है और बनाए गए लेजर अकाउंट से क्लोजिंग स्टॉक बैलेंस को मेन्युली डालना पडता है। यह सुविधा अकांउट्स और इनवेन्ट्री को अलग–अलग व्यवस्थित रखती है।

(b) Income/ Expense Statement instead of P&L:

डिफॉल्ट रूप से यह विकल्प नो रहता है। यदि यश पर सेट करते हैं तो टैली द्वारा गेटवे ऑफ टैली मेन्यू में प्रॉफिट एण्ड लॉस एकाउण्ट के स्थान पर इनकम एण्ड एक्सपेंस एकाउण्ट प्रदर्शित किया जाएगा। इनकम एण्ड एक्सपेंडिचर स्टेटमेंट सामान्यतः नॉन ट्रेडिंग अकाउंट्स हेतु प्रयुक्त होता है और प्रॉफिट एण्ड लॉस एकाउण्ट वस्तुतः ट्रेडिंग अकाउंट्स हेतु प्रयुक्त होते हैं।

(c) Allow Multi Currency:

डिफॉल्ट रूप से यह विकल्प नो होता हैं। यदि हम एक से अधिक करेंसी अपनाना चाहते हैं तो इस विकल्प को यश पर सेंट करें।

गेटवे ऑफ टैली –एकाउण्ट इन्फो मेन्यू में करेंसी मेन्यू प्रदर्शित हो जाएगा।

2. Outstanding Management

(a) Maintain Bill wise Detail:

इस विकल्प को यश पर सेट करते हुए बिल वाइज सुविधा को एक्टिवेट किया जा सकता है। बिल वाइज फीचर को एक्टिवेट करने पर सन्ड्री क्रेडिटर्स और सन्ड्री डेविटर्स के अंतर्गत लेजर मास्टर्स द्वारा मेनटेन बैलेंस बिल बाइ बिल नामक एक अतिरिक्त ऑप्शन डिस्प्ले कर दिया जाता है। इस ऑपसन को यश पर सेट करने से अतिरिक्त विकल्प डिफॉल्ट क्रेडिट पीरीयड प्रदर्शित होता है।

जब हम एक्टिवेट किए गए बिल बाइज ऑपसन के साथ सेल्स और परचेज के व्यौरे डालते हैं तब टैली हमे इनवॉइस को किसी उपयुक्त रेफरेन्स नम्बर से पहचानने के लिए प्रोम्प्ट करता है। इस रेफरेंस के बाद में सही इनवॉइस हेतु पेमेंट्स आवंटित करने के लिए प्रयुक्त किया जाता है, जिससे कितने पैसा बकाया है इसका सही सही हिसाब रखा जा सकें।

(b) Activate Interest Calculation:

इस ऑप्शन का प्रयोग इन्ट्रैस्ट को कैल्कूलेट करने के लिए किया जाता है।

Use Advanced Parameters:

जब समय – समय पर व्याज की दरें बदलती रहती हैं तब एडवान्स्ड पैरामीटर्स उपयोगी होता है। यह सुविधा एनेवल करने हुत इस विकल्प को यश पर सेट करें।

3. Cost/ Profit Centers Management

(a) Maintain Payroll: यदि हम चयनित कंपनी के लिए टैली पर पेरोल इंफॉर्मेशन व्यवस्थित रखना चाहते हैं तो इस विकल्प को यश पर सेट करें।

(b) Maintain Cost Centers: कॉस्ट सेंटर को संगठन की उस इकाई के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसके लिए ट्रांजैक्शन्स पोस्ट किए जा सकते हैं। जब इन इकाइयों हेतु केवल लागतों या व्ययों को ही आवंटित किया जाता है तब इन्हें कॉस्अ सेंटर्स के रूप में संदर्भित किया जाता है। इस विकल्प को यश पर सेट करते हुए कॉस्ट सेंटर को एक्टिवेट करते हैं।

i. Use Cost Center for job costing: जॉब/ प्रोजेक्ट के लिए सभी आय और व्यय का हिसाब रखने हेतु इस विकल्प को यश पर सेट करें।

ii. More than one payroll/ Cost category: एक से अधिक पेयरौल अथवा कॉस्ट कैटेग्री बनाने के लिए इस ऑपसन को यश पर सेट करें।

iii. Use Predefined Cost Center Allocation During Entry: पहले से बनाए गए कॉस्ट सेन्टर को एन्ट्रि करते समय यदि आप उनको एन्ट्रि मे प्रयोग करना चाहते है तो इस ऑपसन को यश पर सेट करें।

4- Invoicing

(a) Allow Invoicing

Enter Purchases in Invoicing Format: यदि आप परचेज और सेल्स की एन्ट्री करते समय इनवॉयस मोड का यूज करना चाहते है तो इसे यश करे और एज वाउचर मे एन्ट्री करना चाहते हो तो नो करें। (एज इनवॉयस मे टू और वाई का प्रयोग किया जाता है तथा एज इनवॉयस में पार्टी नेम लेजर नेम और आइटम नेम आदि ऑपसन आते हैं।)

5- Budget and Scenario Management :

(a) Maintain Budget And Control : इस ऑपसन का प्रयोग करके हम उन लोगों की माल खरीदने की लिमिट फिक्स कर सकते हैं जो माल खरीदने के बाद पैसे का भुगतान समय पर नहीं करते हैं। इसे लिए क्रेडिट ऑपसन का प्रयोग करेंगें।

(b) Use Reversing Journal And Optional Voucher: इस ऑपसन का प्रयोग हम तब करते है जब हम अपनी याद्दाश रिकोर्ड करना चाहते हैं। जैसे– कि हमनें किसी को माल दिखाने के लिए भेजा और हमे उसकी एन्ट्री करनी है तो हम मैमोरैण्डम वाउचर का प्रयोग करेंगें लेकिन इसका प्रभाव एकाउण्ट पर नहीं पडता है।

Inventory Features

1. General

(a) **Integrated Account and inventory:** यदि आप प्रोफिट एण्ड लॉस के साथ – साथ ओपनिंग और क्लोजिंग स्टॉक भी देखना चाहते हैं तो इस ऑपसन को यश करें नही ंतो नो करें।

(b) **Allowed Zero Valued Entry :** यदि आप किसी भी आइटम के साथ कोई आइटम फ्री देना चाहते हो तो इस ऑपसन को यश करें नही ंतो नों करें ।

2. Storage And Classification

(a) **Maintain multiple Godown:** यदि हमारें पास स्टॉक में बहुत माल है और उसें रखने के लिए हमारें पास जगह नहीं है तो हम उसके लिए अलग से गोडाउन बना सकते हैं जिससे खरीदे हुए माल को स्टॉक में रख सकते हैं और जरूरत पडनें पर उसे स्टॉक से निकालर सेल कर सकते हैं।

गोडाउन बनाने के लिए इनवेन्ट्री इन्फों में जाकर लोकेशन या गोडाउन ऑपसन पर क्लिक करें ऑर उसके बाद गोडाउन क्रिएट करें।

(b) **Maintain Stock Category:** इस ऑपसन का प्रयोग हम जब करते है जब हमारें पास स्टॉक में बहुत माल है और हमें किसी भी आइटम को ढूढनें में ज्यादा परेशानी न हो इसलिए इस ऑपसन का प्रयोग करते हैं। जैसे – हमारा कम्प्यूटर का बिजनेस है और हमारें पास कम्प्यूटर का बहुत सामान है और हम उस सामान की जानकारी रखने के लिए स्टॉक कैटेगरी में हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर बनाऐंगें जिससे हमें किसी भी आइटम के बारे में ज्यादा जानकारी रखने में आसानी होगी।

(c) **Maintain Batch Wise Detail-** स्टॉक आइटम्स से संबंधित बैच इंफॉर्मेशन को व्यवस्थित रखने हेतु इस ऑपसन को यश पर सेट करें । स्टॉक आइटम क्रिएशन स्क्रीन के अंतर्गत एक नई फील्ड यूज एक्सपायरी डेट प्रदर्शित कर दी जाएगी।

(Set Expiry dates for batches): इस ऑपसन का प्रयोग हम तब करते है जब किसी भी आइटम पर एक्सपायरी डेट सेट करनी हो जिससे माल एक्सपायर होने पर उसे बेचा नहीं जा सकता । एक्सपायरी डेट के बाद माल को नेगेटिंव में दिखाऐगा या उस डेट के बाद उसकी एन्ट्री नहीं होगी।

(d) **Use Different actual and billed qty:** यदि हम इनवॉइस तैयार करते समय एक्चुअल और बिल्ड क्वानटिटी को अलग– अलग रखना चाहते हैं तो इस ऑपसन को यश पर सेट करें।

3. Order Processing

(a) Allow purchase order processing: इस ऑपसन का प्रयोग हम माल का आर्डर देने के लिए करते है इस ऑपसन से आइटम बनाने वाले को यह फायदा होता है कि उसके पास स्टॉक में ज्यादा आइटम नही बचेगा जिससे उसे लॉस होने के कम चान्स रहेंगें।

(b) Allow Sales Order Processing: इस ऑपसन का प्रयोग हम तब करते हैं जब कोई व्यक्ति हमें माल खरीदने के लिए ऑर्डर देता है। इससे हमें यह फायदा होगा कि हम केवल उसके आर्डर के हिसाब से ही माल बनाऐंगें।

4. Invoicing

(a) Use Debit Note: इस ऑपसन का प्रयोग हम तब करते है जब हमें अपनी इच्छानुसार माल प्राप्त न हुआ हो या माल में कोई कमी आ गई हो। तब इस ऑपसन को यश करें।

(b) Use Credit Note: इस ऑपसन का प्रयोग हम तब करते है जब हमें सेल किया हुआ माल किसी कारण वापस मिलता है।

(c) Use invoice mode for credit notes: जब हम सेल्स रिटर्न की एन्ट्री इनवायॅस मोड (To or By) में करते हैं। तो इसे नो करें और अगर एज वाउचर में एन्ट्री करनी है तो इसे यश करें।

(d) Use Invoice mode for Debit Note: जब हम परचेज रिटर्न की एन्ट्री इनवॉयस मोड में करना चाहते है तो इसे नो करें और एज वाउचर में करना चाहते है तो इसे यश करें।

e. Separate Discount Column on invoice : जब आप किसी भी एन्ट्री में डिस्काउन्ट का कॉलम अलग से लाना चाहते है तो इसे यश करें जिसके प्रयोग से जितना भी डिसकाउन्ट एन्ट्री में दिया होगा उतना डिसकाउन्ट हम इसमें लिख देंगें जिससे उतना पैसा टोटल में से कम हो जायेगा।

5. Purchase Management:

(a) Track Additional Cost of Purchase: इस ऑपसन का प्रयोग हम तब करते है जब हमें परचेज के ट्रॉजेक्शन में अलग से लगें चार्जेज को एड करना होता है। जैसे कि हमने कोई माल दिल्ली से मॅगवाया और उसमें उसके भाडे को एड करना हो तो इस ऑपसन का यश करेंगें।

6. Sales Management:

(a) Use Multiple Price Level: इस ऑपसन का प्रयोग हम जब करते है जब हमें सभी आइटमों का रेट फिक्स करना हो जिससे हमें बार–बार एमाउण्ट लिखने की आवश्यकता नहीं होगी और यह ऑपसन केवल सेल्स पर ही एप्लाई होगा।

7. Additional Inventory Voucher

(a) Use Tracking Number (Delivery Note): इसका प्रयोग हम तब करते है जब हमें माल बेचने

से पहले आर्डर लिये गये माल का बिल भेजना हो तब हम इस ऑपसन को यश करें।

(b) Use Receipt Note: इस ऑपसन का प्रयोग हम तब करते है जब हमने किसी भी व्यक्ति को माल का आर्डर दिया हो और माल खरीदने से पहले उसका बिल मॅगाना हो तब हम इसको यश करें।

(c) Use Rejection Inward Note: यदि हमें कोई माल का आर्डर देने के बाद उसमें से किसी कारण से कुछ माल के आर्डर को कैन्सिल करना चाहता है तो हम इस ऑपसन का प्रयोग करेंगें।

(d) Use Rejection Outward Note: यदि हमनें किसी को माल का ऑर्डर दिया है और हमे किसी कारण से कुछ माल नही चाहिए तो हम इस ऑपसन का प्रयोग करेंगें।